भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **3565**

सोमवार, 15 जुलाई, 2019/24 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कृष्ण परिपथ का विकास

**3565.** श्रीमती हेमामालिनीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में धार्मिक पर्यटन के विकास हेतु स्वदेश दर्शन योजना चला रही है जिसके अंतर्गत कृष्ण परिपथ का विकास किया जा रहा है जिसमें अवसंरचना की कमियों को दूर करने, संपर्क में सुधार करने, कौशल विकास और प्रशिक्षण के साथ ही साथ पर्यटकों की सुरक्षा और संरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कृष्ण परिपथ के विकास का कार्य तय लक्ष्य के हिसाब से चल रहा है और विहित समय सीमा के अंतर्गत इसके पूर्ण होने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन- थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास योजना के अंतर्गत सुनियोजित तथा प्राथमिकता पद्धति से पर्यटन संभावना वाले देश भर के पहचाने गए परिपथों में पर्यटन अवसंरचना का विकास कर रहा है । इस योजना के अंतर्गत परियोजनाएं पर्यटकों के समग्र अनुभव को समृद्ध बनाने तथा रोजगार अवसरों को बढ़ाने के लिए पर्यटन गंतव्यों की संपर्कता तथा अवसंरचना में सुधार के उद्देश्य से स्वीकृत की जाती हैं ।

योजना के अंतर्गत देश के सभी धार्मिक/ आध्यात्मिक स्थलों को शामिल करने वाली थीमों सहित विकास हेतु पंद्रह थीमेटिक परिपथों की पहचान की गई है । उपरलिखित योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित थीमेटिक परिपथों में कृष्ण परिपथ एक है । कृष्ण परिपथ की राष्ट्रीय समिति द्वारा परिपथ के अंतर्गत विकास हेतु 12 गंतव्यों को चिह्नित किया गया है, नामशः द्वारका (गुजरात); नाथद्वारा, जयपुर एवं सीकर (राजस्थान); कुरूक्षेत्र (हरियाणा), मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना, नंदगांव एवं गोवर्धन (उत्तर प्रदेश) तथा पुरी (ओडिशा) एवं सम्बंधित राज्य सरकारों को इन गंतव्यों के लिए प्रस्ताव भेजने की सलाह दी गयी थी । राज्य सरकारों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों के आधार पर, मंत्रालय ने निम्नलिखित दो परियोजनों को स्वीकृति दी है -

(करोड़ रु. में)

| क्र. सं. | राज्य/वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि | निर्मुक्त राशि |
|---|---|---|---|---|
| **1.** | हरियाणा 2016-17 | कुरूक्षेत्र, हरियाणा में महाभारत से संबंधित स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास | 97.35 | 70.60 |
| **2.** | राजस्थान 2016-17 | राजस्थान में गोविन्द देवजी मंदिर (जयुपर), खाटू श्याम जी (सीकर) तथा नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास | 91.45 | 45.72 |

उपरोक्त के अलावा, मंत्रालय अपनी प्रशाद योजना के अंतर्गत पहचाने गए तीर्थस्थलों तथा विरासत गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना विकसित कर रहा है । मथुरा, पुरी एवं द्वारका को विकास के लिये इस योजना में भी चिह्नित किया गया है । इन स्थलों के विकास के लिए मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं के ब्यौरे निम्नवत हैं:

(करोड़ रु. में)

| क्र. सं. | परियोजना का नाम/ वर्ष | स्वीकृत राशि | निर्मुक्त राशि |
|---|---|---|---|
| 1. | मेगा पर्यटक परिपथ चरण-।। के रूप में मथुरा वृंदावन का विकास (2014-15) | 14.93 | 10.38 |
| 2. | वृंदावन, जिला मथुरा में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण (2014-15) | 9.36 | 7.36 |
| 3. | मेगा परिपथ के अंतर्गत पुरी – श्री जगन्नाथ धाम – रामाचंडी – देवली में प्राची रिवर फ्रंट पर अवसंरचना विकास (2014-15) | 50.00 | 10.00 |
| 4. | द्वारका का विकास (2016-17) | 26.23 | 6.85 |
| **5.** | मथुरा, उत्तर प्रदेश में गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास (2018-19) | 39.74 | 0.00 |

सभी परियोजनाएं कार्यान्वयन/ पूर्णता के विभिन्न चरणों में है ।

*******